

में गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए

में गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए-2
आऊँ परिकम्मा लगाए में तो आऊँ परिकम्मा लगाए-2
में गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए-2

1) मुरली मनोहर कान्हा की मैं छवि हृदय में धारुंगी,
सात कोष की दउ परिक्रमा नहीं थको ना हारुंगी,
मानसी गंगा नहाऊँ-2,आऊँ परिकम्मा लगाए
में गोवर्धन पे.....

2) दर्शन कर गिरिराज धरण के मैं अपने भंडार भरुं,
जितने विधि विधान वहां के श्रद्धा से मैं सभी करुं,
मैं फूली नहीं सामाऊँ-2,आऊँ परिकम्मा लगाए,
में गोवर्धन पे.....

3) गोवर्धन पै जब कोई जावे कृपा हो गिरधारी की,
जीप कार या मोटरसाइकिल इच्छा नहीं सवारी की,
मैं पैदल दौड़ लगाऊँ-2,आऊँ परिकम्मा लगाए,
में गोवर्धन पे.....

4) ना लाऊँ कोई बात ध्यान में गोविंद के गुण गाऊंगी,
हाथ में तुलसी की माला ले उनमें चित रमाऊंगी,
ना भूलन धोखा खाऊँ-2,आऊँ परिकम्मा लगाए,
में गोवर्धन पे.....।

आऊँ परिकम्मा लगाए में तो आऊँ परिकमा लगाए-2
में गोवर्धन पे जाऊँ आऊँ परिकम्मा लगाए-2 ।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33167/title/main-govardhan-pai-Jaun-aaun-Parikramma-Lagaaye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |